सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

APPAREL MADE-UPS & HOME FURNISHING
SECTOR SKILL COUNCIL
CENTER OF EXCELLENCE

स्किल डेवलपमेंट और कैपेसिटी बिल्डिंग के लिए AMH SSC ने NSDF को 51 लाख रुपए का सीएसआर फंड डोनेट किया

नई दिल्ली, 18 मई, 2022: स्किल इंडिया मिशन के लिए प्रतिबद्ध, अपैरल मेड-अप होम फर्निशिंग सेक्टर स्किल काउंसिल (AMH SSC) ने अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) फंड से नेशनल स्किल डेवलपमेंट फंड (NSDF) को 51 लाख रुपए का फंड डोनेट किया है। इस फंड से भारत के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के साथ सशक्त बनाया जाएगा।

AMH SSC के अध्यक्ष श्री प्रेमल उदानी ने कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के सेक्रेटरी श्री राजेश अग्रवाल, को श्री वेद मणि तिवारी, सीओओ और ऑफिशिएटिंग सीईओ, एनएसडीसी और AMH SSC के सीईओ डॉ. रूपक वशिष्ठ की उपस्थिति में चेक प्रदान किया। इस फंड का उपयोग स्किलिंग इकोसिस्टम के कैपेसिटी बिल्डिंग में किया जाएगा।

भारत में सीएसआर के अंतर्गत शिक्षा और कौशल विकास तेजी से पसंदीदा विकल्प के रूप में उभर रहा है। सीएसआर फंड का योजनाबद्ध तरीके से उपयोग करके, कंपनियाँ न केवल स्किल इंडिया मिशन को बढ़ावा दे सकती हैं, बल्कि एक मजबूत लेबर मार्केट बनाकर स्किल इंडिया और लाखों लोगों की आजीविका पर भी बड़ा प्रभाव डाल सकती हैं। सीएसआर फंड कौशल विकास वैल्यू

चैन, कैपेसिटी बिल्डिंग और मैनेजरियल सपोर्ट में वित्तीय रूप से सहायक गतिविधियों द्वारा कौशल विकास पहलों को बढ़ाने में भी योगदान दे सकता है।

AMHSSC के निर्णय की सराहना करते हुए, **कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के सेक्रेटरी श्री राजेश अग्रवाल ने कहा,** "मैं इस डोनेशन के लिए AMH SSC के अध्यक्ष श्री प्रेमल उदानी और AMH SSC के मैनेजमेंट का आभार व्यक्त करता हूं। मुझे विश्वास है कि इस तरह के योगदान से स्किल सेक्टर का विस्तार करने और कौशल विकास के सेक्टरों की सूची में नए रास्ते जोड़ने में मदद मिलेगी। कौशल विकास के प्रयासों को और अधिक समावेशी बनाने में कॉर्पोरेट क्षेत्र का सहयोग बड़ी भूमिका निभा सकता है ताकि स्किल डिवाइड को कम किया जा सके। कंपनियों के पास रिसोर्सिज़, इंफ्रास्ट्रक्चर, मशीनरी और विशेषज्ञता है जो देश में कौशल विकास के प्रयासों को बढ़ाने में सहयोग कर सकते हैं। मैं इस अवसर पर अधिक से अधिक संगठनों से आगे आने, स्किल-बिल्डिंग एक्टिविटिज़ में शामिल होने और स्किल इंडिया मिशन को मजबूत करने में मदद करने का आग्रह करता हूं।

AMHSSC के अध्यक्ष श्री प्रेमल उदानी ने कहा, "भारत में चलाए जा रहे स्किल डेवलपमेंट मिशन के लक्ष्य को प्राप्त करने और गुणवत्ता एवं स्थिरता को बनाए रखने के इतने बड़े कार्य को देखते हुए, हमने महसूस किया है कि कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय हमारे सीएसआर दायित्वों को पूरा करने के लिए एक आदर्श विकल्प होगा। एमएसडीई के पास देश के युवाओं को कुशल बनाने की दिशा में व्यापक विशेषज्ञता और एक फोक्सड विज़न है। हम समझते हैं कि देश के स्थायी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका है और वर्कफोर्स को कुशल बनाने में हमारे द्वारा किया गया निवेश एक मजबूत बिज़नेस केस को बढ़ावा देगा। यह निवेश एक वाइब्रेंट और स्किल्ड लेबर मार्केट विकसित करके उद्योगों के लिए विन-विन सिचुएशन पैदा करता है और हमारी सामाजिक जिम्मेदारी के उद्देश्य को भी पूरा करता है। कौशल विकास में योगदान देना हमारे भविष्य में निवेश करना है।"

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत, देश के युवाओं के लिए अधिकतम नौकरियों की व्यवस्था करके, अपैरल मेड-अप होम फर्निशिंग सेक्टर स्किल काउंसिल (AMH SSC) सबसे बड़ी सेक्टर स्किल काउंसिल रही है। दिसंबर 2013 में अपनी स्थापना के बाद से, AMH SSC ने उद्योग के लिए 45 क्वालिफिकेशन पैक विकसित किए हैं और अपैरल सेक्टर में लगभग 12 लाख लोगों को प्रमाणित करने में सक्षम है। AMH SSC की प्रमुख विशेषताओं में से एक यह है कि विभिन्न क्षेत्रों की उद्योगों की मांगों के

आधार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करना और यह सुनिश्चित करना कि सभी सफल प्रशिक्षुओं को एक मान्यता प्राप्त असेसमेंट एजेंसी के माध्यम से प्रमाणित किया गया है।

***

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के बारे में

एमएसडीई का गठन 9 नवंबर 2014 को भारत सरकार द्वारा कौशल की रोजगार क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए किया गया था। अपनी स्थापना के बाद से, एमएसडीई ने नीति, रूपरेखा और मानकों को औपचारिक रूप देने; नए कार्यक्रमों और योजनाओं का शुभारंभ; नए बुनियादी ढांचे का निर्माण और मौजूदा संस्थानों का उन्नयन; राज्यों के साथ भागीदारी; उद्योगों से जुड़ने और कौशल के लिए सामाजिक स्वीकृति और आकांक्षाओं का निर्माण करने के संदर्भ में महत्वपूर्ण पहल और सुधार किए हैं। मंत्रालय का उद्देश्य न केवल मौजूदा नौकरियों के लिए बल्कि सृजित नौकरियों के लिए भी नए कौशल और नवाचार के निर्माण के लिए कुशल जनशक्ति की मांग और आपूर्ति के बीच की खाई को पाटना है। स्किल इंडिया के तहत अब तक 5.5 करोड़ से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

अपैरल मेड-अप्स होम फर्निशिंग सेक्टर स्किल काउंसिल के बारे में

अपैरल, मेड-अप्स और होम फर्निशिंग सेक्टर स्किल काउंसिल की स्थापना दिसंबर, 2013 में हुई थी। PwC की रिपोर्ट के अनुसार, अपैरल एक अत्यंत वाइब्रेंट सेक्टर है जिसमें लगभग 3.58 करोड़ वर्कफोर्स हैं और 2025 तक अन्य 86 लाख स्किल्ड फोर्स की आवश्यकता है। AMH SSC में 45 असेसमेंट एजेंसियों के साथ 13500 से अधिक प्रमाणित ट्रेनर्स और 3500 से अधिक प्रमाणित मूल्यांकनकर्ता हैं। लगभग 6500 ट्रेनिंग सेंटर्स काउंसिल से जुड़े हुए हैं। अब तक, 17 लाख से अधिक व्यक्तियों को अपैरल जॉब रोल्स में प्रमाणित किया गया है और AMH SSC को योजना के तहत व्यवस्थित कुल जॉब के 21% को जॉब प्रदान करके पीएमकेवीवाई में सबसे बड़ा जॉब प्रदान करने वाला क्षेत्र घोषित किया गया है। काउंसिल के तिरुपुर और नई दिल्ली में आर्ट सेंटर्स

ऑफ एक्सीलेंस (COEs) हैं जो उद्योग की जरूरतों को पूरा करते हैं, विशेष रूप से मीडिल मैनेजमेंट लेवल में मौजूदा कार्यबल को बढ़ाने में।